चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	11.3.26	04	1-4

एचएयू का 79% हिस्सा ग्रीन कवर से ढका, तापमान रहता कम

जागरण संवाददाता • हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) कृषि अनुसंधान में तो अहम भूमिका निभा रहा है साथ ही पर्यावरण संरक्षण के मामले में भी एक रोल माडल बनकर उभरा है। विश्वविद्यालय के विज्ञानियों की ओर से तैयार किए गए नवीनतम लैंड यूज लैंड कवर मानचित्र से यह जानकारी उजागर हुई है कि कैंपस का लगभग 78.83 प्रतिशत हिस्सा हरियाली (ग्रीन कवर) से ढका है।

वानिकी विभाग के अध्यक्ष डा. संदीप आर्य, मृदा एवं जल अभियांत्रिकी विभाग की डा. दर्शना और कृषि मौसम विज्ञान विभाग के डा. अनुराग की टीम ने हाई-रिजाल्यूशन इमेज के आधार पर यह मानचित्र तैयार किया है। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में चलाए गए गहन पौधारोपण अभियानों और देखभाल का ही परिणाम है कि आज कैंपस इतना हरा-भरा है।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ विज्ञानी • विज्ञप्ति

भौगोलिक क्षेत्रफल 927.91 एकड़ है। इसमें से लगभग 78.83 प्रतिशत क्षेत्र ग्रीन कवर के अंतर्गत आता है। इस ग्रीन कवर में 24.12 प्रतिशत क्षेत्र पेड़ों से आच्छादित है। ज्ञात रहे कि राष्ट्रीय वन नीति 1988 के अनुसार समतल जगह में 20 प्रतिशत वन होना चाहिए, जबकि विश्वविद्यालय में उससे भी अधिक पेडों का क्षेत्र है। इसके अलावा 31.72 प्रतिशत झाडिय़ों एवं घास से तथा 22.99 प्रतिशत कृषि भूमि के अंतर्गत है। अन्य भूमि उपयोग में लगभग 11.07 प्रतिशत क्षेत्र में बिल्डिंग है। खेल मैदान कुल क्षेत्रफल का 2.82 प्रतिशत भाग कवर करते हैं, जबकि जल स्रोत 1.99 प्रतिशत और सडक़ें लगभग 5.29 प्रतिशत क्षेत्र में फैली हुई हैं। वर्गीकृत मानचित्र की स्टीकता का आकलन ग्राउंड ट्रूथिंग के माध्यम से किया गया। ज्ञात रहे कि हकृवि का तापमान शहर के मुकाबले 2-3 डिग्री सेल्सियस कम रहता है।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि यह विशाल ग्रीन कवर न केवल वातावरण से हानिकारक ग्रीन हाउस गैसों का अवशोषण कर रहा है, बल्कि प्रचुर मात्रा में आक्सीजन भी प्रदान कर रहा है। हरियाली के कारण ही विश्वविद्यालय परिसर का तापमान अन्य शहर क्षेत्र के मुकाबले 2 से 3 डिग्री सेल्सियस कम बना रहता है, जो यहां आने वाले लोगों को एक शुद्ध और शीतल वातावरण का अनुभव कराता है।

प्रो. बलदेव राज काम्बोज, कुलपति, एचएयू

राष्ट्रीय वन नीति के मानकों से भी आगे

कुल क्षेत्रफल : 927.91 एकड़

पेड़ों का घनत्व : कैंपस के कुल भाग का 24.12 प्रतिशत हिस्सा पेड़ों से आच्छादित है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय वन नीति 1988 के अनुसार मैदानी इलाकों में 20 प्रतिशत वन क्षेत्र होना चाहिए, जिससे एचएयू कहीं आगे है।

घास एवं झाड़ियां : 31.72 प्रतिशत क्षेत्र

कृषि भूमि : 22.99 प्रतिशत क्षेत्र।

बिल्डिंग, सड़कें व अन्य : इसके विपरीत, निर्माण क्षेत्र (बिल्डिंग्स) केवल 11.07 प्रतिशत में है, शेष हिस्से में खेल मैदान (2.82 प्रतिशत), जल स्रोत (1.99 प्रतिशत) और सडकें (5.29 प्रतिशत) शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	11.3.26	04	1-4

वैज्ञानिकों की मैपिंग में सामने आया-करीब 79% क्षेत्र हरियाली से आच्छादित

हरित धरती, ठंडी फिजा : हकृवि में शहर से १-३ डिग्री कम तापमान

हिसार, 10 मार्च (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के वैज्ञानिकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर का नवीनतम लैंड यूज-लैंड कवर मानचित्र हाई-रिजॉल्यूशन इमेज के आधार पर तैयार किया गया है। इस मानचित्र के माध्यम से कैंपस में ग्रीन कवर और विभिन्न प्रकार के भू-उपयोग की स्थिति का विस्तृत आकलन किया गया है। अध्ययन के अनुसार विश्वविद्यालय परिसर का लगभग 78.83 प्रतिशत क्षेत्र हरियाली से आच्छादित है, जिसके कारण यहां का तापमान शहर की तुलना में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस कम रहता है।

हिसार में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ वैज्ञानिक। -हप्र

यह मानचित्र वानिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य, मृदा एवं जल अभियांत्रिकी विभाग की सहायक वैज्ञानिक डॉ. दर्शना तथा कृषि मौसम विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनुराग द्वारा तैयार किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में पिछले कुछ वर्षों से पौधारोपण अभियान को विशेष रूप से बढ़ावा दिया गया है। डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 927.91 एकड़ है। इसमें से लगभग 24.12 प्रतिशत क्षेत्र पेड़ों से आच्छादित है। इसके अलावा 31.72 प्रतिशत क्षेत्र झाड़ियों और घास से तथा 22.99 प्रतिशत क्षेत्र कृषि भूमि के अंतर्गत आता है। अन्य भूमि उपयोग में लगभग 11.07 प्रतिशत क्षेत्र भवनों के अंतर्गत है, जबकि खेल मैदान कुल क्षेत्रफल का 2.82 प्रतिशत भाग कवर करते हैं। इसके अलावा जल स्रोत 1.99 प्रतिशत और सड़कें लगभग 5.29 प्रतिशत क्षेत्र में फैली हुई हैं। वैज्ञानिकों ने बताया कि वर्गीकृत मानचित्र की सटीकता का आकलन ग्राउंड ट्रूथिंग के माध्यम से किया गया है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग और कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	11.3.26	02	1-3

एचएयू में तापमान शहर के मुकाबले 2-3 डिग्री कम, 79% क्षेत्र हरा-भरा

एचएयू का ग्रीन कवर, ग्रीन हाउस गैसों का अवशोषण दे रहा शुद्ध हवा: काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के वैज्ञानिकों ने हाई-रिजॉल्यूशन सैटेलाइट इमेज के जरिये कैंपस का नया लैंड यूज मैप तैयार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, विवि का 927.91 एकड़ का पूरा कैंपस एक नेचुरल ऑक्सीजन चैंबर बन गया है। यहां कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के 78.83% हिस्से पर ग्रीन कवर (पेड़, झाड़ियां और खेती) हैं।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में चलाए गए विशेष पौधरोपण अभियानों और उनकी उचित देखभाल का नतीजा है कि आज कैंपस हरा-भरा है। यह ग्रीन कवर न केवल ग्रीन हाउस गैसों का अवशोषण कर रहा है, बल्कि यहां आने वाले लोगों को शुद्ध हवा भी दे रहा है। घनी हरियाली से कैंपस का तापमान शहर के मुकाबले 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक कम दर्ज हुआ।

हरियाली को लेकर मैप के जरिए यूनिवर्सिटी की हरियाली दिखाते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ वैज्ञानिक।

इन वैज्ञानिकों का रिपोर्ट तैयार करने में सहयोग रहा

जानकारी के अनुसार यह मैप वानिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य, डॉ. दर्शना और डॉ. अनुराग ने मिलकर तैयार किया है। इसमें मानचित्र की सत्यता की जांच ग्राउंड ट्रूथिंग (धरातल पर जाकर मिलान) के जरिए की गई है। इस अवसर पर विवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग और कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल आदि उपस्थित रहे।

विवि में श्रेणी, क्षेत्रफल (प्रतिशत में), प्रभाव

- पेड़ों का घेरा, 24.12%, कार्बन सोखने और ऑक्सीजन देने में सहायक।
- झाड़ियां व घास, 31.72%, जमीन की नमी बचाने और पक्षियों के संरक्षण में।
- कृषि भूमि 22.99% शोध कार्यों और बीज उत्पादन के लिए।
- इमारतें (बिल्डिंग) 11.07%, शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्य।
- सड़कें व मैदान, 8.11%, आवागमन और खेल गतिविधियां।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	11.3.26	03	1-4

सराहनीय

वैज्ञानिकों ने हाई-रिजॉल्यूशन इमेज के आधार पर तैयार किया लैंड यूज-लैंड कवर मानचित्र

एचएयू परिसर में 78.8 प्रतिशत हरियाली

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के 927.91 एकड़ परिसर में करीब 78.83 प्रतिशत क्षेत्र हरियाली से आच्छादित पाया गया है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने हाई-रिजॉल्यूशन इमेज के आधार पर कैंपस का नवीनतम लैंड यूज-लैंड कवर मानचित्र तैयार कर यह आकलन किया है।

यह मानचित्र वानिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य, मृदा एवं जल अभियांत्रिकी विभाग की सहायक वैज्ञानिक डॉ. दर्शना तथा कृषि मौसम विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनुराग ने तैयार किया है। कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में चलाए गए पौधारोपण अभियानों के परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय परिसर हरा-भरा नजर आता है।

विभागाध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि परिसर के कुल क्षेत्रफल में से 78.83 प्रतिशत क्षेत्र ग्रीन कवर के अंतर्गत आता है, जिसमें 24.12 प्रतिशत क्षेत्र पेड़ों से आच्छादित है। इसके अलावा 31.72 प्रतिशत क्षेत्र झाड़ियों व घास तथा 22.99 प्रतिशत क्षेत्र कृषि भूमि के अंतर्गत है। अन्य भूमि उपयोग में 11.07 प्रतिशत क्षेत्र भवनों, 2.82 प्रतिशत खेल मैदानों, 1.99 प्रतिशत जल स्रोतों और लगभग 5.29 प्रतिशत क्षेत्र सड़कों के अंतर्गत आता है। वर्गीकृत मानचित्र की सटीकता का आकलन ग्राउंड ट्रूथिंग के माध्यम से किया गया।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय वन नीति 1988 के अनुसार समतल क्षेत्रों में 20 प्रतिशत वन क्षेत्र होना चाहिए, जबकि विश्वविद्यालय परिसर में इससे अधिक क्षेत्र पेड़ों से आच्छादित है। हरियाली के कारण एचएयू परिसर का तापमान शहर के मुकाबले 2 से 3 डिग्री सेल्सियस कम रहता है।

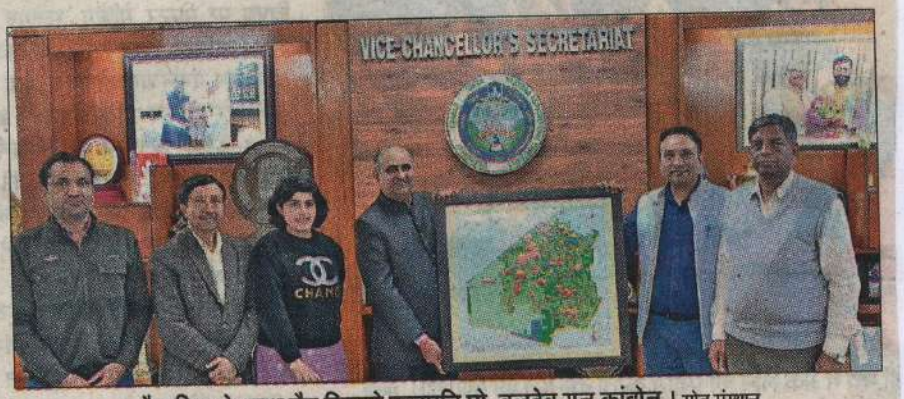

वैज्ञानिक के साथ मैप दिखाते कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज। स्रोत संस्थान

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	11.3.26	10	3-8

हकृवि वैज्ञानिकों ने तैयार किया कैंपस का हाई-रिजॉल्यूशन लैंड यूज मैप

हकृवि का ग्रीन कवर 79%, ग्रीन हाउस गैसें अवशोषित कर दे रहा शुद्ध हवा

इस मानचित्र से विवि परिसर के ग्रीन कवर एवं भू-उपयोग की स्थिति का किया आकलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कैंपस का नवीनतम लैंड यूज लैंड कवर मानचित्र हाई-रिजॉल्यूशन इमेज के आधार पर तैयार किया गया है। इस मानचित्र के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर के ग्रीन कवर एवं भू-उपयोग की स्थिति का आकलन किया गया है। यह मानचित्र वानिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ संदीप आर्य, मृदा एवं जल अभियांत्रिकी विभाग की सहायक वैज्ञानिक डॉ दर्शना और कृषि मौसम विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनुराग द्वारा तैयार किया गया है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों को बधाई दी व उनके कार्य की सराहना की। कुलपति ने कहा कि हकृवि का ग्रीन कवर, ग्रीन हाउस गैसों का अवशोषण करके शुद्ध हवा दे रहा है।

हिसार। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ वैज्ञानिक।

विवि परिसर का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 927.91 एकड़

विभाग अध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 927.91 एकड़ है। इसमें से लगभग 78.83 प्रतिशत क्षेत्र ग्रीन कवर के अंतर्गत आता है। इस ग्रीन कवर में 24.12 प्रतिशत क्षेत्र पेड़ों से आच्छादित है। ज्ञात रहे कि राष्ट्रीय वन नीति 1988 के अनुसार समतल जगह में 20 प्रतिशत वन होना चाहिए, जबकि विश्वविद्यालय में उससे भी अधिक पेडों का क्षेत्र है जोकि गर्व की बात है। इसके अलावा 31.72 फीसद झाड़ियों एवं घास से तथा 22.99 फीसद कृषि भूमि के अंतर्गत है। अन्य भूमि उपयोग में लगभग 11.07 फीसद क्षेत्र में बिल्डिंग है। खेल मैदान कुल क्षेत्रफल का 2.82 प्रतिशत भाग कवर करते हैं, जबकि जल स्रोत 1.99 प्रतिशत और सड़कें लगभग 5.29 प्रतिशत क्षेत्र में फैली हुई हैं। वर्गीकृत मानचित्र की स्टीकता का आकलन ग्राउंड ट्रूथिंग के माध्यम से किया गया। ज्ञात रहे कि हकृवि का तापमान शहर के मुकाबले 2-3 डिग्री सेल्सियस कम रहता है जोकि परिसर में आने पर महसूस भी किया जा सकता है। ग्रीनकवर न केवल ग्रीन हाऊस गैसों का अवशोषण कर आक्सीजन प्रदान करता है बल्कि कैंपस में घूमने वालों के लिए शुद्ध वातावरण भी प्रदान करता है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गौयल उपस्थित रहे।

दो श्रेणियों में विभाजित

कैंपस क्षेत्र को मुख्य रूप से दो प्रमुख श्रेणियों, ग्रीन कवर तथा अन्य भूमि उपयोग में विभाजित किया गया है। ग्रीन कवर श्रेणी में पेड़, झाड़ियां, घास तथा कृषि भूमि शामिल हैं, जबकि अन्य भूमि उपयोग श्रेणी में निर्मित क्षेत्र, खेल मैदान, जल स्रोत एवं सड़कें शामिल हैं। यह ग्रीन कवर मानचित्र विश्वविद्यालय के सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण, हरित प्रबंधन तथा भविष्य की योजना निर्माण के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। यह अध्ययन विश्वविद्यालय परिसर की पर्यावरणीय समृद्धि को दर्शाता है तथा हरित क्षेत्र को बनाए रखने और बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	11.3.26	06	6-8

हकृवि का ग्रीन कवर, ग्रीन हाऊस गैसों का अवशोषण कर दे रहा शुद्ध हवा : प्रो. कम्बोज

कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज के साथ वैज्ञानिक।

हिसार, 10 मार्च (विरेन्द्र वर्मा):चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कैंपस का नवीनतम लैंड यूज़ लैंड कवर मानचित्र हाई-रिज़ॉल्यूशन इमेज के आधार पर तैयार किया गया है। इस मानचित्र के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर के ग्रीन कवर एवं भू-उपयोग की स्थिति का आकलन किया गया है। यह मानचित्र वानिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ संदीप आर्य, मृदा एवं जल अभियांत्रिकी विभाग की सहायक वैज्ञानिक डॉ. दर्शना और कृषि मौसम विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनुराग द्वारा तैयार किया गया है। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने वैज्ञानिकों को बधाई दी व उनके कार्य की सराहना की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में पिछले कुछ सालों में पौधारोपण अभियान को बढ़ावा दिया गया है तथा पौधे लगाने के साथ साथ उनकी देखभाल भी सुनिश्चित की गई जिसके परिणामस्वरूप कैम्पस हरा भरा नजर आता है। इसके लिए मैं विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, छात्रों एवं आमजन को बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि भविष्य में भी इसी तरह कैम्पस को हरा भरा और सुंदर बनाने में सहयोग करेंगे। कैंपस क्षेत्र को मुख्य रूप से दो प्रमुख श्रेणियों, ग्रीन कवर तथा अन्य भूमि उपयोग में विभाजित किया गया है।

ग्रीन कवर श्रेणी में पेड़, झाड़ियाँ, घास तथा कृषि भूमि शामिल हैं, जबकि अन्य भूमि उपयोग श्रेणी में निर्मित क्षेत्र, खेल मैदान, जल स्रोत एवं सड़कें सम्मिलित हैं। यह ग्रीन कवर मानचित्र विश्वविद्यालय के सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण, हरित प्रबंधन तथा भविष्य की योजना निर्माण के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। यह अध्ययन विश्वविद्यालय परिसर की पर्यावरणीय समृद्धि को दर्शाता है तथा हरित क्षेत्र को बनाए रखने और बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करता है।

रजिन्दर सिंह–सम्पादक, मुद्रक व प्रकाशक ने साधु सिंह हमदर्द ट्रस्ट के लिए डेली अजीत प्रिंटर्ज़ सी-26, इंडस्ट्रीयल ग्रोथ सैंटर, बठिंडा से छपवा कर, शॉप नं. 72 सुभाष मार्किट, माल रोड, बठिंडा से प्रकाशित किया। RNI Regd. No. : PUNHIN/2017/71166

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	11.03.2026	--	--

हकृवि का ग्रीन कवर लगभग 79 प्रतिशत

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ वैज्ञानिक।

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 10 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कैंपस का नवीनतम लैंड यूज लैंड कवर मानचित्र हाई-रिजॉल्यूशन इमेज के आधार पर तैयार किया गया है। इस मानचित्र के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर के ग्रीन कवर एवं भू-उपयोग की स्थिति का आकलन किया गया है। यह मानचित्र वानिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ संदीप आर्य, मृदा एवं जल अभियांत्रिकी विभाग की सहायक वैज्ञानिक डॉ दर्शना और कृषि मौसम विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनुराग द्वारा तैयार किया गया है। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने वैज्ञानिकों को बधाई दी व उनके कार्य की सराहना की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में पिछले कुछ सालों में पौधारोपण अभियान को बढ़ावा दिया गया है तथा पौधे लगाने के साथ साथ उनकी देखभाल भी सुनिश्चित की गई जिसके परिणामस्वरूप कैम्पस हरा भरा नजर आता है। विभाग अध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 927.91 एकड़ है। इसमें से लगभग 78.83 प्रतिशत क्षेत्र ग्रीन कवर के अंतर्गत आता है। इस ग्रीन कवर में 24.12 प्रतिशत क्षेत्र पेड़ों से आच्छादित है। इसके अलावा 31.72 प्रतिशत झाडियों एवं घास से तथा 22.99 प्रतिशत कृषि भूमि के अंतर्गत है। अन्य भूमि उपयोग में लगभग 11.07 प्रतिशत क्षेत्र में बिल्डिंग है। ग्रीनकवर न केवल ग्रीन हाऊस गैसों का अवशोषण कर आक्सीजन प्रदान करता है बल्कि कैंपस में घुमने वालों के लिए शुद्ध वातावरण भी प्रदान करता है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	10.03.2026	--	--

हकृवि में पौधारोपण अभियान को बढ़ावा दिया गया है : प्रो. काम्बोज

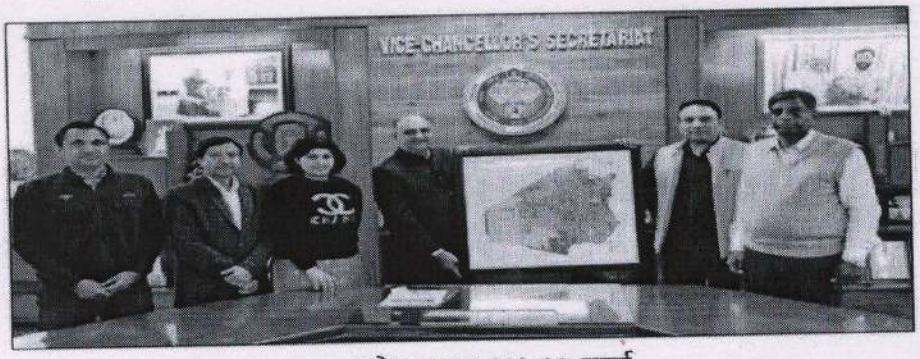

नभ-छोर न्यूज ⏭ 10 मार्च

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कैंपस का नवीनतम लैंड यूज लैंड कवर मानचित्र हाई-रिजॉल्यूशन इमेज के आधार पर तैयार किया गया है। इस मानचित्र के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर के ग्रीन कवर एवं भू-उपयोग की स्थिति का आकलन किया गया है। यह मानचित्र वानिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ संदीप आर्य, मृदा एवं जल अभियांत्रिकी विभाग की सहायक वैज्ञानिक डॉ दर्शना और कृषि मौसम विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनुराग द्वारा तैयार किया गया है। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में पिछले कुछ सालों में पौधारोपण अभियान को बढ़ावा दिया गया है तथा पौधे लगाने के साथ साथ उनकी देखभाल भी सुनिश्चित की गई जिसके परिणामस्वरूप कैम्पस हरा भरा नजर आता है। कैंपस क्षेत्र को मुख्य रूप से दो प्रमुख श्रेणियों, ग्रीन कवर तथा अन्य भूमि उपयोग में विभाजित किया गया है। यह ग्रीन कवर मानचित्र विश्वविद्यालय के सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण, हरित प्रबंधन तथा भविष्य की योजना निर्माण के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। यह अध्ययन विश्वविद्यालय परिसर की पर्यावरणीय समृद्धि को दर्शाता है तथा हरित क्षेत्र को बनाए रखने और बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करता है। विभाग अध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 927.91 एकड़ है। इसमें से लगभग 78.83 प्रतिशत क्षेत्र ग्रीन कवर के अंतर्गत आता है। इस ग्रीन कवर में 24.12 प्रतिशत क्षेत्र पेड़ों से आच्छादित है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	10.03.2026	--	--

हकृवि का ग्रीन कवर, ग्रीन हाऊस गैसों का अवशोषण कर दे रहा शुद्ध हवा:प्रो. बलदेव राज काम्बोज

» हकृवि का ग्रीन कवर लगभग 79 प्रतिशत

दक्ष दर्पण

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कैंपस का नवीनतम लैंड यूज़ लैंड कवर मानचित्र हाई-रिज़ॉल्यूशन इमेज के आधार पर तैयार किया गया है। इस मानचित्र के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर के ग्रीन कवर एवं भू-उपयोग की स्थिति का आकलन किया गया है। यह मानचित्र वानिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ संदीप आर्य, मृदा एवं जल अभियांत्रिकी विभाग की सहायक वैज्ञानिक डॉ दर्शना और कृषि मौसम विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनुराग द्वारा तैयार किया गया है। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने वैज्ञानिकों को बधाई दी व उनके कार्य की सराहना की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में पिछले कुछ सालों में पौधारोपण अभियान को बढ़ावा दिया गया है तथा पौधे लगाने के साथ साथ उनकी देखभाल भी सुनिश्चित की गई जिसके परिणामस्वरूप कैम्पस हरा भरा नजर आता है। इसके लिए मैं विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, छात्रों एवं आमजन को बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि भविष्य में भी इसी तरह कैम्पस को हरा भरा और सुंदर बनाने में सहयोग करेंगे। कैंपस क्षेत्र को मुख्य रूप से दो प्रमुख श्रेणियों, ग्रीन कवर तथा अन्य भूमि उपयोग में विभाजित किया गया है। ग्रीन कवर श्रेणी में पेड़, झाड़ियाँ, घास तथा कृषि भूमि शामिल हैं, जबकि अन्य भूमि उपयोग श्रेणी में निर्मित क्षेत्र, खेल मैदान, जल स्रोत एवं सडकें सम्मिलित हैं। यह ग्रीन कवर मानचित्र विश्वविद्यालय के सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण, हरित प्रबंधन तथा भविष्य की योजना निर्माण के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। यह अध्ययन विश्वविद्यालय परिसर की पर्यावरणीय समृद्धि को दर्शाता है तथा हरित क्षेत्र को बनाए रखने और बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करता है। विभाग अध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 927.91 एकड़ है। इसमें से लगभग 78.83 प्रतिशत क्षेत्र ग्रीन कवर के अंतर्गत आता है। इस ग्रीन कवर में 24.12 प्रतिशत क्षेत्र पेड़ों से आच्छादित है। ज्ञात रहे कि राष्ट्रीय वन नीति 1988 के अनुसार समतल जगह में 20 प्रतिशत वन होना चाहिए, जबकि विश्वविद्यालय में उससे भी अधिक पेडों का क्षेत्र है जोकि गर्व की बात है। इसके अलावा 31.72 प्रतिशत झाड़ियों एवं घास से तथा 22.99 प्रतिशत कृषि भूमि के अंतर्गत है। अन्य भूमि उपयोग में लगभग 11.07 प्रतिशत क्षेत्र में बिल्डिंग है। खेल मैदान कुल क्षेत्रफल का 2.82 प्रतिशत भाग कवर करते हैं, जबकि जल स्रोत 1.99 प्रतिशत और सडकें लगभग 5.29 प्रतिशत क्षेत्र में फैली हुई हैं। वर्गीकृत मानचित्र की स्टीकता का आकलन ग्राउंड ट्रूथिंग के माध्यम से किया गया। ज्ञात रहे कि हकृवि का तापमान शहर के मुकाबले 2-3 डिग्री सेल्सियस कम रहता है जोकि परिसर में आने पर महसूस भी किया जा सकता है। ग्रीनकवर न केवल ग्रीन हाऊस गैसों का अवशोषण कर आक्सीजन प्रदान करता है बल्कि कैंपस में घुमने वालों के लिए शुद्ध वातावरण भी प्रदान करता है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	10.03.2026	--	--

हकृवि का ग्रीन कवर, ग्रीन हाऊस गैसों का अवशोषण कर दे रहा शुद्ध हवा : प्रो. काम्बोज

पल पल न्यूज: हिसार, 10 मार्च। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कैंपस का नवीनतम लैंड यूज़ लैंड कवर मानचित्र हाई-रिज़ॉल्यूशन इमेज के आधार पर तैयार किया गया है। इस मानचित्र के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर के ग्रीन कवर एवं भू-उपयोग की स्थिति का आकलन किया गया है। यह मानचित्र वानिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ संदीप आर्य, मृदा एवं जल अभियांत्रिकी विभाग की सहायक वैज्ञानिक डॉ दर्शना और कृषि मौसम विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनुराग द्वारा तैयार किया गया है। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने वैज्ञानिकों को बधाई दी व उनके कार्य की सराहना की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में पिछले कुछ सालों में पौधारोपण अभियान को बढ़ावा दिया गया है तथा पौधे लगाने के साथ साथ उनकी देखभाल भी सुनिश्चित की गई जिसके परिणामस्वरूप कैम्पस हरा भरा नजर आता है। इसके लिए मैं विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों,

कर्मचारियों, छात्रों एवं आमजन को बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि भविष्य में भी इसी तरह कैम्पस को हरा भरा और सुंदर बनाने में सहयोग करेंगे। कैंपस क्षेत्र को मुख्य रूप से दो प्रमुख श्रेणियों, ग्रीन कवर तथा अन्य भूमि उपयोग में विभाजित किया गया है। ग्रीन कवर श्रेणी में पेड़, झाड़ियाँ, घास तथा कृषि भूमि शामिल हैं, जबकि अन्य भूमि उपयोग श्रेणी में निर्मित क्षेत्र, खेल मैदान, जल स्रोत एवं सड़कें सम्मिलित हैं। यह ग्रीन कवर मानचित्र विश्वविद्यालय के सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण, हरित प्रबंधन तथा भविष्य की योजना निर्माण के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। यह अध्ययन विश्वविद्यालय परिसर की पर्यावरणीय समृद्धि को दर्शाता है तथा हरित क्षेत्र को बनाए रखने और बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करता है। विभाग अध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 927.91 एकड़ है। इसमें से लगभग 78.83 प्रतिशत क्षेत्र ग्रीन कवर के अंतर्गत आता है। इस ग्रीन कवर में 24.12 प्रतिशत क्षेत्र पेड़ों से आच्छादित है। ज्ञात रहे कि राष्ट्रीय वन नीति 1988 के अनुसार समतल जगह में 20 प्रतिशत वन होना चाहिए, जबकि विश्वविद्यालय में उससे भी अधिक पेड़ों का क्षेत्र है जोकि गर्व की बात है। इसके अलावा 31.72 प्रतिशत झाड़ियों एवं घास से तथा 22.99 प्रतिशत कृषि भूमि के अंतर्गत है। अन्य भूमि उपयोग में लगभग 11.07 प्रतिशत क्षेत्र में बिल्डिंग है। खेल मैदान कुल क्षेत्रफल का 2.82 प्रतिशत भाग कवर करते हैं, जबकि जल स्रोत 1.99 प्रतिशत और सड़कें लगभग 5.29 प्रतिशत क्षेत्र में फैली हुई हैं। वर्गीकृत मानचित्र की स्टीकता का आकलन ग्राउंड ट्रूथिंग के माध्यम से किया गया। ज्ञात रहे कि हकृवि का तापमान शहर के मुकाबले 2-3 डिग्री सेल्सियस कम रहता है जोकि परिसर में आने पर महसूस भी किया जा सकता है। ग्रीनकवर न केवल ग्रीन हाऊस गैसों का अवशोषण कर आक्सीजन प्रदान करता है बल्कि कैंपस में घुमने वालों के लिए शुद्ध वातावरण भी प्रदान करता है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	10.03.2026	--	--

हकृवि का 79 प्रतिशत ग्रीनकवर ग्रीन हाऊस गैसों का अवशोषण कर दे रहा शुद्ध हवा : प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कैंपस का नवीनतम लैंड यूज लैंड कवर मानचित्र हाई-रिज़ॉल्यूशन इमेज के आधार पर तैयार किया गया है। इस मानचित्र के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर के ग्रीन कवर एवं भू-उपयोग की स्थिति का आकलन किया गया है। यह मानचित्र वानिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ संदीप आर्य, मृदा एवं जल अभियांत्रिकी विभाग की सहायक वैज्ञानिक डॉ दर्शना और कृषि मौसम विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनुराग द्वारा तैयार किया गया है।

कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में पिछले कुछ सालों में पोधारोपण अभियान को बढ़ावा दिया गया है तथा पौधे लगाने के साथ साथ उनकी देखभाल भी सुनिश्चित की गई जिसके

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ वैज्ञानिक।

परिणामस्वरूप कैम्पस हरा भरा नजर आता है। कैंपस क्षेत्र को मुख्य रूप से दो प्रमुख श्रेणियों, ग्रीन कवर तथा अन्य भूमि उपयोग में विभाजित किया गया है। ग्रीन कवर श्रेणी में पेड़, झाड़ियां, घास तथा कृषि भूमि शामिल हैं, जबकि अन्य भूमि उपयोग श्रेणी में निर्मित क्षेत्र, खेल मैदान, जल स्रोत एवं सड़कें सम्मिलित हैं।

विभाग अध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 927.91 एकड़ है। इसमें से लगभग 78.83 प्रतिशत क्षेत्र ग्रीन कवर के अंतर्गत आता है। इस ग्रीन कवर में 24.12 प्रतिशत क्षेत्र पेड़ों से आच्छादित है। ज्ञात रहे कि राष्ट्रीय वन नीति 1988 के अनुसार समतल जगह में 20 प्रतिशत वन होना चाहिए, जबकि विश्वविद्यालय में उससे भी अधिक पेड़ों का क्षेत्र है जोकि गर्व की बात है। इसके अलावा 31.72 प्रतिशत झाड़ियों एवं घास से तथा 22.99 प्रतिशत कृषि भूमि के अंतर्गत है। अन्य भूमि उपयोग में लगभग 11.07 प्रतिशत क्षेत्र में बिल्डिंग है। खेल मैदान कुल क्षेत्रफल का 2.82 प्रतिशत भाग कवर करते हैं, जबकि जल स्रोत 1.99 प्रतिशत और सड़कें लगभग 5.29 प्रतिशत क्षेत्र में फैली हुई हैं। ज्ञात रहे कि हकृवि का तापमान शहर के मुकाबले 2-3 डिग्री सेल्सियस कम रहता है जोकि परिसर में आने पर महसूस भी किया जा सकता है। ग्रीनकवर न केवल ग्रीन हाऊस गैसों का अवशोषण कर आक्सीजन प्रदान करता है बल्कि कैंपस में घुमने वालों के लिए शुद्ध वातावरण भी प्रदान करता है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल उपस्थित रहे।